ED-352

M.A. 2nd Semester
Examination, May-June 2021

HINDI

Paper - VI

मध्यकालीन काव्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 80

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) आए जोग सिखावन पाँड़े।
परमारथी पुराननि लादे ज्यों बनजारे टाँड़े॥
हमरी गति पति कमलनयन की जोग सिखैं ते राँड़े।
कहौ मधुप, कैसे समाएँगे एक म्यान दो खाँड़े॥

कहु षटपद, कैसे खैयतु है हाथिन के संग
गाड़े।

काकी भूख गई बयारि भखि बिना दूध घृत
माँड़े॥

काहे जो झाला लै मिलवत, कौन चोर तुम
डाँड़े।

सूरदास तीनों नहिं उपजत धनिया धान
कुम्हाँड़े॥

अथवा

बिन गोपाल बैरनि भईं कुंजैं।

तब ये लता लगति अति सीतल, अब भईं
विषम ज्वाल की पुंजैं॥

बृथा बहति जमुना, खग बोलत, बृथा कमल
फूलैं, अलि गुंजैं।

पवन पानि धनसार संजीवनि दधिसुत किरन
भानु भईं भुंजैं॥

ए, ऊधो, कड्डियों माधव सों बिरह कदन
करि मारत लुंजैं।

सूरदास प्रभु को मग जोवत आँखियाँ भईं
बरन ज्यों गुंजैं॥

(ख) कुबलय बिपिन कुंत बन सरिसा। बारिद तपत
तेल जनु बरिसा॥

जेहित रहे करत तेइ पीरा। उरग स्वास सम
त्रिबिध समीरा॥

कहेहू तें कछु दुख घटि होई। काहि कहौं
यह जान न कोई॥

तत्व प्रेम कर मम अरू तोरा। जानत प्रिया
एकु मनु मोरा॥

अथवा

सुमति कुमति सब कें उर रहहीं। नाथ पुरान
निगम अस कहहीं॥

जहाँ सुमति तहँ संपति नाना। जहाँ कुमति
तहँ बिपति निदाना॥

तव उर कुमति बसी बिपरीता। हित अनहित
मानहु रिपु प्रीता॥

कालराति निसिचर कुल केरी। तेहि सीता पर
प्रीति धनेरी॥

(ग) कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत खिलत लजियात।

भरे यौन मैं करत हैं, नैननु हीं सब बात॥

वादी की चित चटपटी, धरत अटपटे पाइ।

लपट बुझावत बिरहु की कपट-भरेउ आइ॥

अथवा

नहिं परागु नहिं मधुर मधु नहिं बिकासु इहिं काल।

अली, कली ही सौं बंध्यौ, आगैं कौन हवाल॥

अंग-अंग नग जगमगत दीपसिखा सी देह।

दिया बढ़ाऐं हूँ रहै बड़ौ उज्यारौ गेहु॥

2. सिद्ध कीजिए कि भ्रमरगीत में विरह का व्यापक क्षेत्र प्रस्तुत करते हुए प्रेममार्ग की उत्कृष्टता प्रदर्शित की गई है। 10

अथवा

'भ्रमरगीत सार' के दार्शनिक पक्ष की विवेचना करते हुए उसके काव्यगत महत्व की समीक्षा कीजिए।

3. सुंदरकांड के आधार पर गोस्वामी तुलसीदास के काव्य-सौष्ठव का सोदाहरण विवेचन कीजिए। 10

अथवा

मूल्य संकट के इस युग में तुलसी साहित्य की उपादेयता पर सम्यक् विचार कीजिए।

4. बिहारी के काव्य में कल्पना की समाहार-शक्ति के साथ भाषा की समास-शक्ति का कितना सामंजस्य मिलता है। प्रमाण सहित उत्तर दीजिए। 10

अथवा

रीतिकाल में कविवर बिहारी की अपनी अलग पहचान है। तर्क-युक्त उत्तर दीजिए।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5

(*i*) घनानन्द की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(*ii*) केशव दास के आचार्यत्व पर प्रकाश डालिए।

(*iii*) पद्माकर की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(*iv*) देव का संक्षिप्त साहित्यिक परिचय दीजिए।

(*v*) वीर रस के कवि के रूप में भूषण की काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(*vi*) सूरदास का वात्सल्य वर्णन

(*vii*) रीतिकाल और आलंकारिता

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×10

(*i*) काशी में तुलसीदास ने किस गुरु के पास रहकर विद्याध्ययन किया?

(*ii*) तुलसीदास किस दार्शनिक मत के भक्त कवि थे?

(*iii*) किस कवि की संवाद योजना को सर्वश्रेष्ठ माना गया है?

(*iv*) 'ललितललाम' के रचनाकार का नाम बताइए।

(*v*) किस कवि की पालकी में बुन्देलखण्ड के एक शासक ने अपना कन्धा लगाया था?

(*vi*) अष्टछाप की स्थापना किसने किया?

(*vii*) सूरदास के निधन पर किसने कहा था – ''पुष्टिमारग को जहाज जात है सौ जाकों कछु लेनौ होय सौ लेउ।''

(*viii*) 'वियोग बेलि' के रचयिता कौन हैं?

(*ix*) देव का पूरा नाम क्या है?

(*x*) घनानन्द किस शासक के दरबार में मीर मुंशी थे ?

(*xi*) आचार्य शुक्ल ने रीतिकाल का प्रवर्तक किसे माना है ?

(*xii*) 'कविराज शिरोमणि' की पदवी किसे प्राप्त थी ?

———